No. of Printed Pages : 8

BPY-005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2020

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

---

1. "Vaisesika metaphysics is pluralistic because it claims that variety, diversity and plurality are the essence of reality." Analyse this statement elucidating the categories of Vaisesika. 20

Or

Explain the important aspects of Advaita Vedanta. 20

2. Examine the roots, origin and orders of Sufism. 20

Or

Give a detailed account of the philosophy of Dr. B. R. Ambedkar. 20

3. Answer any ***two*** of the following in about **200** words each :

(a) Discuss the salient features of the philosophy of Sri Aurobindo. 10

(b) Analyse the contributions of Arya Samaj to the nationalistic reform movement of India. 10

(c) What is liberation and the means of liberation according to Visistadvaita ? 10

(d) Discuss the various stages, forms and modifications of Citta, according to Yoga System. 10

4. Answer any *four* of the following in about **150** words each :

   (a) Give a brief account of the philosophical schools of Saivism. 5

   (b) Examine shortly the important features of Dvaita epistemology. 5

   (c) Briefly explain the important products of Prakrti, according to Samkhya philosophy. 5

   (d) Discuss the importance of inference in Nyaya epistemology. 5

   (e) Write a short note on Bhakti Movement. 5

   (f) Explain briefly the social-philosophy of Amartya Sen. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

   (a) Concept of Religion in the philosophy of Swami Vivekananda

(b) Satyagraha

(c) Female bhaktas

(d) Brahmo Samaj

(e) Satkaryavada

(f) Vedanta Sutras

(g) Samadhi

(h) Saiva Siddhanta

बी.पी.वाई.-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2020
बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. "वैशेषिक तत्वमीमांसा बहुतत्ववादी है क्योंकि यह मानती है कि विविधता, भिन्नता एवं बहुलता सत् का मूल लक्षण हैं।" वैशेषिक दर्शन के विभिन्न पदार्थों को स्पष्ट करते हुए इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

अद्वैत वेदान्त के महत्वपूर्ण पक्षों की व्याख्या कीजिए। 20

2. सूफीवाद की जड़ों, उत्पत्ति एवं सिलसिलों का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के दर्शन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) श्री अरविन्दो के दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(ख) भारत के राष्ट्रीय सुधार आन्दोलन में आर्य समाज के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

(ग) विशिष्टाद्वैत के अनुसार मोक्ष क्या है और मोक्ष प्राप्ति के साधन कौन-से हैं ?

(घ) योग दर्शन के अनुसार चित्त की विभिन्न अवस्थाओं, रूपों एवं वृत्तियों पर चर्चा कीजिए।

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) शैववाद के दार्शनिक सम्प्रदायों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ख) द्वैत ज्ञानमीमांसा की महत्वपूर्ण विशेषताओं का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।

(ग) सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति के मुख्य उत्पादों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(घ) न्याय ज्ञानमीमांसा में अनुमान के महत्व की चर्चा कीजिए।

(ङ) भक्ति आन्दोलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(च) अमर्त्य सेन के समाज-दर्शन की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) स्वामी विवेकान्द के दर्शन में धर्म का प्रत्यय

(ख) सत्याग्रह

(ग) स्त्री भक्त

(घ) ब्रह्म समाज

(ङ) सत्कार्यवाद

(च) वेदान्त सूत्र

(छ) समाधि

(ज) शैव सिद्धान्त

1700